भोले के दर से | By Shreshth Parashar

अकाल मौत वो मरे जो काम करे चांडाल का
काल उसका क्या बिगाड़े जो भक्त हो महाकाल का

यहाँ आ ओ दामन के फैलाने वाले
यहाँ आके भोले के दर से मिलेगा
नहीं मिल सका आजतक जो कहीं से
वो सावन में भोले के दर से मिलेगा

कैलाश के भोले तुम रहने वाले
भक्तों पे ऐसी कृपा करने वाले
सावन का महीना है कृपा कर दो भोले
जल चढाने आये हैं दर पे तुम्हारे
यहाँ आ ओ दामन के फैलाने वाले
यहाँ आके भोले के दर से मिलेगा

कुछ ऐसे भी दीवाने आये हैं दर पर
जो दस्ते तलब तक बढ़ाते नहीं हैं
तुम्ही भोले अपने करम को बढ़ाओ
नहीं तो इन्हे फिर कहाँ से मिलेगा

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ad%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a4%b0-%e0%a4%b8%e0%a5%87-by-shreshth-parashar/